भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2752

उत्तर देने की तारीख 09/03/2026

नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना

†2752. कुमारी सैलजा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश में कोई नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने नए आईआईटी स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थानों और भूमि हेतु राज्यों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या हरियाणा सरकार ने ऐसा कोई प्रस्ताव प्रस्तुत किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ.) क्या सरकार के पास शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े जिलों, विशेषकर सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद जैसे जिलों में उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थान स्थापित करने के लिए प्राथमिकता देने की कोई नीति है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ड़): वर्तमान में देश में 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित किए गए और कार्य कर रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) सोनीपत और हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना पहले ही की जा चुकी है। ये सभी संस्थान राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) हैं। ये तकनीकी शिक्षा, मौलिक और अनुप्रयुक्त दोनों क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए परामर्श सेवाओं में अपनी उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा, आईआईटी दिल्ली का एक विस्तार परिसर हरियाणा के सोनीपत में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी (आरजीईसी) के भीतर 50 एकड़ में स्थित है। यह परिसर उन्नत अनुसंधान, नवाचार और उद्योग सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। वर्तमान में, लगभग 190 करोड़ रुपये मूल्य की 35 उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो रसायनज्ञों, भौतिकविदों, जीवविज्ञानियों, सामग्री वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के अनुसंधान को समर्थन देती हैं–जो शैक्षणिक और आर एंड डी संस्थानों के साथ-साथ एमएसएमई और उद्योग से भी जुड़े हैं। अनुसंधान सुविधाओं में उच्च-स्तरीय प्रकाश और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, एक 3डी मेटल प्रिंटर, रासायनिक और सामग्री संश्लेषण तथा विशेषण उपकरण, स्पेक्ट्रोस्कोपी/स्पेक्ट्रोमेट्री, और पर्यावरण निगरानी उपकरण शामिल हैं। केंद्रीकृत अनुसंधान सुविधाओं के अतिरिक्त, सोनीपत परिसर में आईआईटी दिल्ली की ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स यूनिट की प्रयोगशालाएँ, ट्रांसलेशनल रिसर्च के लिए अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, और एक उच्च प्रदर्शन संबंधी परफॉर्मेंस कम्प्यूटेशनल सुविधा भी मौजूद है।

कैंपस में वायुमंडलीय वेधशाला भी स्थित है, जिसका संचालन सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक साइंसेज़ द्वारा आईएमडी, नासा, इसरो और हेलसिंकी विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जाता है। अनुसंधान से आगे बढ़कर, यह कैंपस तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में भी उभरा है। संस्थान में आई-हब फाउंडेशन फॉर कोबोटिक्स (आईएचएफसी) का संचालन किया जाता है, जो मानव-रोबोट सहयोग को बेहतर बनाने वाली तकनीकों के विकास के लिए अकादमिक जगत, उद्योग और सरकार को एक साथ लाता है, और अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी), जो अटल इनोवेशन मिशन का हिस्सा है, उद्यमियों को विस्तार योग्य और टिकाऊ उद्यम बनाने में समर्थन देता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों को उनके बुनियादी ढांचे, शासन और संसाधनों में सुधार करके सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। एनईपी 2020 में शिक्षा और अनुसंधान में उच्चतम मानक स्थापित करने के लिए मॉडल सार्वजनिक संस्थानों के रूप में बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) की स्थापना की भी सिफारिश की गई है। सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनईपी 2020 के विजन को साकार कर रहे हैं, समग्र, बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं और लचीले शैक्षणिक कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रहे हैं जो विज्ञान और इंजीनियरिंग को प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान के साथ एकीकृत करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के माध्यम से आयोजित किया जाता है, जिससे देश भर के छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रवेश सुरक्षित करने के समान अवसर मिलते हैं।

*****